

III Semester B.A. Examination, April/May 2021

(CBCS) (R) (2016 – 17 and Onwards)

HINDI LANGUAGE – III

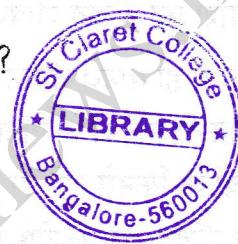
Natak, Sahityakaron Ka Parichaya Aur Sankshepan

Time : 3 Hours

Max. Marks : 70

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या एक वाक्य में लिखिए। (10x1=10)

- 1) राजा हुमायूँ को किसने राखी भेजी थी ?
- 2) मेवाड़ में नर्तकी के नृत्य का कड़ा विरोध कौन करता है ?
- 3) 'रक्षाबंधन' नाटक के रचनाकार कौन हैं ?
- 4) शाहशेख किसके धर्मगुरु थे ?
- 5) श्यामा के पति को किसने मृत्युदंड दिया था ?
- 6) पुर्तगाली गवर्नर का नाम लिखिए।
- 7) चाँद खाँ किसका भाई था ?
- 8) चारणी की प्रेरणा से किसमें देशभक्ति की भावना जाग जाती है ?
- 9) भीलों का सरदार कौन था ?
- 10) कर्मवती अन्य क्षत्राणियों के साथ क्या करती हैं ?



II. निम्नलिखित में से किन्हीं दो अवतरणों की संसदर्भ व्याख्या कीजिए। (2x7=14)

- 1) "हमारी राखी वह शीतल प्रलेप है जो सारे घाव भर देता है।"
- 2) "मैं दुनिया को बता देना चाहता हूँ कि हिन्दुओं के रस्मोरिवाज मुसलमानों के लिए भी उतने ही प्यारे हैं, उतने की पाक हैं।"
- 3) "ठहरो ! एक दफा और बहन की चिता पर अपना सर ढुका लूँ, फिर यह सर धड़ पर कायम रहे, न रहे।"

III. 'रक्षाबंधन' नाटक का सारांश लिखते हुए, नाटक की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। (1x16=16)

अथवा

'रक्षाबंधन' नाटक के आधार पर कर्मवती का चरित्र-चित्रण कीजिए।



IV. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए।

(2x5=10)

1) धनदास।

2) भीलराज।

3) श्यामा।

V. निम्नलिखित में से किसी एक साहित्यकार का जीवन परिचय लिखिए।

(1x10=10)

1) ममता कालिया।

2) कमलेश्वर।

VI. निम्नलिखित गद्यांश का उचित शीर्षक लिखते हुए एक तिहाई शब्दों में संक्षेपण कीजिए। (1x10=10)

अति प्राचीन काल से ही मानव जीवन पर नदियों का विशेष प्रभाव रहा है। विश्व की पुरातन सभ्यताओं का विकास अधिकतर नदियों के किनारे ही हुआ है। अधिकांश मानव-स्थितियों तथा आधुनिक शहर भी मुख्यतः नदियों के किनारे बसे हुए हैं। नदियाँ जल पूर्ति के प्रमुख साधन हैं। पेय जल सिंचाई एवं परिवहन के लिए नदियों का विशेष रूप से उपयोग किया गया है। आज के वर्तमान औद्योगिक युग में नदियों का उपयोग मुख्य रूप से विद्युत उत्पादन, मत्स्य उद्योग एवं बृहद् उद्योगों के लिए किया जा रहा है। अतः प्राचीन युग से आधुनिक युग तक मानव सभ्यता के विकास के लिए नदियों का विशेष योगदान रहा है।

नदी की उत्पत्ति के लिए सतत जल स्रोत एवं प्रारंभिक ढलान की आवश्यकता है। साधारणतः वर्षा, बर्फ एवं हिमनद के पिघलने से तथा झरनों एवं झीलों से सतत जल स्रोत प्राप्त होता है। भूमि की असमानताओं के कारण प्रारंभिक ढलान भी उपलब्ध हो जाते हैं। अतः जल प्रवाह भी शुरू हो जाता है, एवं यही से नदी की उत्पत्ति होती है।